essential medicines to the public in adequate quantities at fair and reasonable prices As and when there is any report of shortage of any essential medicine, Government takes appropriate action to meet the situation. There has been no shortage of drugs and if there was any shortage that was localised and therapeutic equivalents were available. The prices of a number of formulations based on Chlorpromazine, Thioridazine, Trifluoperazine, Amitryptline, Imipramine, Triprolidine. Polymixin B. Sulphate, Flucinolone Acetonide etc. have already been reduced in the recent past. The exiting drug policy is also under review and the objective of making drugs available in adequate quantities at reasonable prices will be kept in mind.

(b) Yes, Sir.

(c) and (d). As stated in part (a) above, the existing drug policy is being reviewed so that there is due emphasis and encouragement to the production of essential drugs in the coutry.

Medical care to the Salt Growers

2245. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the salt-growers in Ran of Kutch and other areas in the country are reported to have not been provided with medical health care/check up; and

(b) whether any Government agency has recently been entrusted with this job, if so, what are the details thereof and if not, the reason therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI RASHEED MASOOD): (a) No, Sir.

(b) According to the information received from salt Commissioner to the Government of India, Ministry of Industry (Department of Industrial Development), it is the Primary responsiblity of State Government and employers to look after the health of the Salt Labourers. However, the Salt Department of the Government of India, provides assistance from CESS proceeds to State Government, and other agencies as per guidelines contained in 'Code of Principles'. Holding of General Health and Eye camps for check up of salt labourers is a regular feature. Recently a comprehensive Health survey of salt labourers in arid Rajasthan state has been entrusted at a cost of Rs. 2.55 lakhs to Regional Research Medical Centre at Jodhpur under I.C.M.R.

Fall in the prices of Petrochemicals

2246. SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA: Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that international prices of petrochemical raw materials for synthetic industry have fallen considerably in the recent past;

(b) what has been the quantum of fall in the prices of paraxylene, MEG, DMT and PTA during the last one year;

(c) what are the present ruling prices of the above items referred to in para (b) above in the international market; and

(d) whether with a view to safeguard the indigenous industry Government propose to increase import duty on these materials in order to compare favourably with fair selling prices of the domestic produce?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS (SHRI M. S. GURUPADASWAMY): (a) Prices of petrochemical commoditiles do fluctuate in internationaj market.

(b) and (c) The prices of synthetic fibre raw materials ruled high in early 1989 and fell considerably in the early part of 1990. It is understood that there has recently been a spurt in these prices because of the Middle east situation.

(d) Interest of indigenous industry is safeguarded hrough the import policy and appropriate tariff mechanisms.

प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति को लोकप्रिय बनाया जाना

2247. **श्री अटल बिहारी वाजपेयी :** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा दिए जाने के लिए सरकार द्वारा अभी तक क्या-क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ख) उनके क्या-क्या परिणाम निकले हैं

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रशीद मसूद) : (क) योग और प्राकृतिक चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं में वैज्ञानिक अनुसंधान शुरू करने, सहायता प्रदान करने तथा उसमें तालमेल रखने और संबंधित संस्थाओं को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने दिल्ली में केन्द्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सी सी आर वॉय एन) की स्थापना की है। यह परिषद अनुसंधान करने और प्रशिक्षण देने के लिए देश के विभिन्न भागों में अनुसंधानोन्मुख योजनाओं को चलाने के लिए स्वैच्छिक प्राकृतिक चिकित्सा संस्थानों को आर्थिक सहायता देती रही है। यह परिषद योग और प्रा तिक चिकित्सा संबंधी अनुसंधान पत्रिका के प्रकाशन, प्रचारात्मक सामग्री, कार्यशालाओं संगोष्ठियों, सम्मेलनों इत्यादि के आयोजन के लिए भी आर्थिक सहायता देती है। इसके अतिरिक्त, प्राकृतिक चिकित्सा के विकासार्थ पुणे में एक राष्ट्रीय चिकित्सा संस्थान (एन आई एन) की भी स्थापना की जा रही है।

(ख) श्वसन विकारों, संधिशोध, रक्तचाप, मधुमेह, त्वचा संबंधी रोगों, बृहदांत्रशोथ, कब्ज, जठरांत्र विकारों, मोटापा, कुष्ठ इत्यादि के उपचार में आशाजनक परिणाम प्राप्त हुए हैं।

गैस के उत्पादन के लिए कूड़े-कचरे पर आधारित परियोजनायें

2248. **श्री बलराम सिंह यादव :** क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश के विभिन्न भागों में, विशेष रूप से गुजरात और महाराष्ट्र में गैस और विद्युत उत्पादन के लिए, शहरी, ग्रामीण और औद्योगिक कूड़े-कचरे पर आधारित कुछ परियोजनायें प्रारम्भ की गई थीं;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि इन परियोजनाओं का मूल्यांकन सरकार द्वारा किया गया था– और यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है, और क्या सरकार इन परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए भविष्य में कोई योजना बनाने का विचार रखती है; और

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में ब्यौरा क्या है?

ऊर्जा मंत्री, साथ में नागर विमानन मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार (श्री आरिफ मोहम्मद खान) : (क) जी, हां।

(ख) और (ग) आवधिक अनुमानों से यह पता चलता है कि मोटे तौर पर ये परियोजनाएं सन्तोषजनक रूप से कार्य कर रही हैं। अपशिष्ट पुनः चक्रण और संसाधन प्रतिप्राप्ति प्रणालियों के आधार पर आठवीं योजना अवधि के दौरान इस कार्यक्रम को और आगे विकसित किए जाने का प्रस्ताव है। आठवीं योजना को अंतिम रूप दे दिए जाने के बाद, इसके विवरणों का पता चलेगा।

Cost of production of mopeds, two-wheeler and three-wheeler scooters

2249. SHRI PRAMOD MAHAJAN: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) what are the names of the companies which manufacture mopeds, two-wheeler and and three-wheeler scooters;